रात्रि क्लास 11-10-68 ओमशान्ति विश्व की बादशाही का श्रृंगार याद है?

यह है ईश्वरीय सेवा। आगे जो कुछ करते आये हैं वा कलियुग में मनुष्य जो कुछ करते हैं वह है आसुरी। उनको सेवा तो नहीं कहेंगे। जो कुछ करते हैं नीचे ही उतरते आते हैं। सोसलवर्करस भल सर्विस करते हैं परन्तु नीचे ही उतरते हैं। इस ईश्वरीय सर्विस से तो चढ़ते ही हैं। जो जिस प्रकार सेवा करेंगे उनको फल जरूर मिलता है। कहेंगे कल्प ~~कल्प~~ पहले भी ऐसी सर्विस की थी। यहां है ही सभी ईश्वरीय सर्विस। आसुरी सर्विस का तो नाम ही नहीं है यहां। शिव बाबा याद है? स्वर्ग की बादशाही याद है? यह तो जहां तहां लगा देना चाहिए। कोई भी आवेंगे तो पूछेंगे। झट समझ भी सकेंगे। शिव बाबा नई दुनिया रचने वाला है। भारत को स्वर्ग की बादशाही थी। अभी तो नर्क की बादशाही है। यह सालोगन बहुत बनावे फैन्सी नमूने से। शिव बाबा याद है? स्वर्ग की बादशाही याद है। घर में भी लिख देवे जहां तहां। आपेही किसको पूछना ~~[illegible]~~ होगा तो आवेंगे। यह भी लिख सकते हो सेकण्ड में जीवनमुक्ति बिगर कोड़ी खर्चा। फिर आपे ही एक दो को देख अन्दर में आते रहेंगे। बेहद के बाप से बेहद का वरसा कल्प2 मिलता है। आधा कल्प बादशाही चलती है फिर आधा कल्प रावण जीत लेते हैं। फिर शिव बाबा आकर राजाई देते हैं। प्रजापिता ब्रह्मा का नाम भी तो है ना। गीता में अर्जुन का नाम डाल दिया है। तुम हो ही शिव बाबा के बच्चे। तुमको तो उठते-बैठते शिव बाबा और स्वर्ग की राजधानी याद रहनी चाहिए। यह पहले नम्बर के स्वर्ग के मालिक हैं ना। यह है सहज याद और वरसा। बेहद के बाप को याद करो। 84 के चक्र को याद करो। यह ज्ञान तो बहुत सहज है। रात को पहरा देंगे इसमें भी कमाई है। शिव बाबा याद रहेंगे और बादशाही याद रहेंगी। बहुत2 कमाई होगी परन्तु तकदीर में न है तो कभी नहीं करेंगे। जो बहुत सोते हैं वह खोते हैं। जागते हैं तो यज्ञ सर्विस भी करते हैं और विकर्म भी विनाश होंगे। परन्तु तकदीर में है नहीं तो कदम भी आगे बढ़ाते नहीं। यह भी चाहिए। राजधानी में नौकर आदि भी चाहिए ना। नौकर भी बहुत होते हैं। बहुत साहुकार है तो दास-दासियां भी ऐसे ही रखते हैं। शुरू से ही दास और दासियां का चला आ रहा है। बच्चे यह तो समझते हैं लौकिक बाप को भूलना पड़ता है। अब अलौकिक और पारलौकिक बाप को याद करना पड़ता है। यह रथ न होता तो शिव बाबा भी न होता। यह खुद अलौकिक बाप भी कहते हैं शिव बाबा को याद करो। मुझे नहीं। शिव बाबा भी कहते हैं तुम्हारे मेरे से कनेक्शन है। जिस द्वारा देता हूं उनको नहीं याद करना है। यह भूलें न करनी चाहिए। शिव बाबा ही सभी कुछ देते हैं। ट्रस्टी है ब्रह्मा। अथवा जिसको ट्रस्टी मुकर्र करेंगे। शिव बाबा के भण्डारे से लेने से वह याद पड़ेगा। अगर दूसरी की चीज़ पहनी तो वह याद आवेंगे। शिव बाबा की याद में बाधा पड़ जावेगा। मेरा तो एक शिव बाबा। लेने-देन सब शिव बाबा से। देंगे भी शिव बाबा को। कई भूल करते हैं। ब्रह्मा बाबा के लिये फलानी चीज़ भेजते हैं। तुम भेजो शिव बाबा को तो उनको याद रहेगी। श्रीनाथ में जो कुछ बनता है वह श्रीनाथ को भोग लगाते हैं फिर सभी ब्राह्मणों को बांटा जाता है। वहां चावल नहीं होते हैं। जगतनाथ पर फिर चावल ही मिलते हैं। श्रीनाथ पर बहुत माल बनते हैं। कुछ भी बनाते हैं तो मुख बन्द कर बनाते हैं। तुम बच्चे जानते हो वह यात्राएं भक्ति मार्ग की दुर्गति मार्ग की। तुम समझते हो हमारी भक्ति दुर्गति बन्द है। अभी हम जा रहे हैं। बाप कहते हैं मुझे याद करो। शिव बाबा को याद करते2 तुम वहां बैठ जावेंगे। फिर पुरानी दुनिया में आवेंगे नहीं। वहां से फिर नई दुनिया में आवेंगे। वह यात्रु तो फिर भी यहां ही आते हैं। बाप समझाते हैं मोस्ट विलवेड बाप है। तो बाप और स्वर्ग की बादशाही को याद करना है। बैज के ऊपर लिखा दो शिव बाबा याद है। स्वर्ग की बादशाही याद है। सभी को यह मेसेज देते जाओ। शिव बाबा याद है? वह बेहद का बाप है नई दुनिया रचते हैं। बाप को याद करो तो स्वर्ग के मालिक बन जावेंगे। तुम बच्चों को कोई तकलीफ नहीं देते। शिव बाबा नई दुनिया स्वर्ग की रचना रचते हैं। पतित-पावन को याद करेंगे तो पावन बनेंगे। स्वर्ग के मालिक भी बनेंगे। बाप को याद में बैठ बाप की महिमा करनी चाहिए। दिन प्रति दिन बच्चों की याद की यात्रा उन्नति को पाती रहती है। वह यात्राएं तो जन्म-जन्मान्तर करते आये। यह एक ही जन्म की बात है। अच्छा रूहानी बच्चों को रूहानी बाप दादा का याद प्यार गुडमार्निंग और नमस्ते।

:-: ****** :-: